सत्यमेव जयते

धीरेन्द्र ओझा, (आई. आई. एस.)
प्रधान महानिदेशक
पत्र सूचना कार्यालय
भारत सरकार
शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001

हिन्दी दिवस संदेश

हमारे संविधान निर्माताओं ने हिंदी को सम्पर्क भाषा के रूप में सर्वाधिक उपयुक्त समझते हुए 14 सितम्बर, 1949 को हिन्दी को संघ की राजभाषा के रूप में अंगीकार किया था। तभी से 14 सितम्बर को प्रति वर्ष 'हिन्दी दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

भारत एक बहुभाषी एवं विविधताओं से भरा देश है और भारत को एक सूत्र में पिरोये रखने वाली हिन्दी भाषा को राजभाषा ही नहीं अपितु आम जनता की संपर्क भाषा बनने का भी गौरव प्राप्त है। आज हमारे पास हिंदी में सभी राजकीय कामकाज निष्पादित करने के लिए उपयुक्त और पर्याप्त पारिभाषिक शब्दावली एवं साधन है। सूचना तकनीक से हिंदी के प्रसार के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हो रहा है। हमें इन सुविधाओं का उपयोग करना चाहिए और संविधान में निहित राजभाषा की संकल्पना को साकार करने के लिए अपना अधिकाधिक कार्य स्वेच्छा से हिंदी में करने हेतु प्रयास करना चाहिए।

पत्र सूचना कार्यालय भी हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। हिन्दी दिवस के अवसर पर हम अपने सभी कार्य हिंदी में करने की वचनबद्धता को दोहराते हैं। कार्यालय के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों से मेरा आग्रह है कि राजभाषा संबंधी संवैधानिक एवं कानूनी प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए अपना अधिक से अधिक सरकारी कामकाज राजभाषा हिंदी में करें। इसके साथ ही मैं सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपील करता हूँ कि वे हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़ कर भाग लें।

आइए, हिंदी दिवस के अवसर पर हम सभी यह प्रण लें कि हम अपने व्यवहार में और सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी का अधिक से अधिक प्रयोग करेंगे।

आप सभी को हिन्दी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

नई दिल्ली,
14 सितम्बर, 2024

(धीरेन्द्र ओझा)

राजभाषा

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर